मीडिया समाज के लिए एक प्रकाश स्तम्भ

ज्ञानसरोवर। विकासशील पत्रकारिता हाशिये पर चली गई है। टीवी चैनलों पर दिखाये जाने वाले विज्ञापन बच्चों पर गहरा प्रभाव छोड़ रहे हैं। अपराध कथाओं पर आधारित सीरियल देखकर लोग अपराधी बनने का प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं। इस स्थिति को बदलने के लिए सामाजिक संस्थाओं की गतिविधियों व लोक रुचि समाचारों को प्रमुखता से प्रकाशित व प्रसारित करना चाहिए ताकि सकारात्मकता आए और नकारात्मकता हतोत्साहित हो।
- मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के सहायक पत्रकारिता प्राध्यापक **डॉ. कुंजन आचार्य**।

शिवशक्ति सांस्कृतिक अकादमी बैंगलोर के राजू व साथी कलाकार सांस्कृतिक प्रस्तुति देते हुए।

ज्ञानसरोवर। खुले सत्र के दौरान मंचासीन हैं मधुकर द्विवेदी, डॉ. जी. दास, ब्र.कु. मृत्युंजय, सुपर्ण सेन, ब्र.कु. विजया व ब्र.कु. डॉ. सविता।

सकारात्मक जनसंचार से होगा समाज में बदलाव

स्वतंत्रता आंदोलन के प्रहरी पत्रकारों को आदर्श मानकर यदि सामाजिक जागृति लाने का प्रयास किया जाए तो राष्ट्र निर्माण के लिए जनसंचार माध्यमों की सकारात्मकता में अवश्य ही वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि मीडिया को सामाजिक सरोकारों से जुड़ना होगा, केवल चुनावी नारों से अच्छे दिन नहीं आयेंगे। - लाइव इंडिया चैनल के राजस्थान प्रदेश प्रमुख **राजेश असनानी**।

मीडियाकर्मियों को यह सोचना चाहिए कि समाज ने हमारे हाथ में कलम रूपी जो दियासलाई थमाई है उसका उपयोग प्रकाश फैलाने के लिए करें आग लगाने के लिए नहीं। नैतिक कर्त्तव्यों, सामाजिक अपेक्षाओं व राष्ट्र धर्म की कसौटी पर हम तभी खरे उतर पायेंगे जब सकारात्मकता के प्रहरी व संदेश वाहक बनेंगे। - छत्तीसगढ़ बंधु के सम्पादक वरिष्ठ पत्रकार **मधुकर द्विवेदी**।

आंतरिक मूल्यों की ज़रूरत मीडिया को जागरुक बनाने के लिए बड़ी शिद्दत से अनुभव की जा रही है। राष्ट्र निर्माण के लिए सकारात्मकता में वृद्धि के लिए संस्था द्वारा चलाये जा रहे अभियान से जुड़कर हम इसमें सहभागी बन सकते हैं। - दूरदर्शन जयपुर के कार्यक्रम निर्माता **वीरेन्द्र परिहार**। (ब्रह्माकुमारी संस्था की ओर से कार्यकारी सचिव ब्र.कु.मृत्युंजय ने दोशाला व स्मृति चिन्ह भेंट करके वीरेन्द्र परिहार को अवॉर्ड ऑफ एक्सीलेंस से सम्मानित किया।)

खुले सत्रों को अपने विचारों से लाभान्वित करने वालों में भुवनेश्वर के डॉ. गौराहरि दास, मुम्बई से आए सुपर्ण सेन, गोवा की ज्योति कुनकोलेकर, इनसाइट इंडिया चैनल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुशील खरे, टाटा मैनेजमेंट मुम्बई की ब्र.कु.हिना शामिल थे। सत्र के दौरान ब्र.कु. डॉ. सविता ने राजयोग का महत्व बताने के पश्चात् सभी को राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कराया व ब्र.कु. पूनम,चण्डीगढ़ ने मंच का कुशल संचालन किया।

ज्ञानसरोवर में एकमत से मीडियाकर्मियों ने लिया संकल्प

ज्ञानसरोवर। तीन दिवसीय मीडिया सम्मेलन में आये हुए अतिथियों और उनके उद्बोधनों से निम्नलिखित बिन्दु प्राप्त हुए:-

- एकमत से सभी मीडियाकर्मियों ने प्रस्ताव पारित करते हुए संकल्प लिया कि वे राष्ट्र निर्माण के महायज्ञ में निभायेंगे सक्रिय भूमिका।
- मीडिया लोगों के प्रति संवेदनशील बनेगी और समय रहते सामाजिक मुद्दों को पूर्ण ज़िम्मेवारी से उठायेगी।
- पत्रकारिता व मूल्यनिष्ठता को जीवनशैली का अभिन्न अंग बनाते हुए जनहित और राष्ट्रहित का सर्वाधिक ध्यान रखेगी मीडिया।
- सोशल मीडिया में आत्मनियमन लागू करना होगा।
- पत्रकारिता को आध्यात्मिकता से जोड़ना होगा।
- राजयोग अभ्यास जीवन में सादगी, सार्थकता, सात्विकता और स्वस्थ विचारों का समावेश करेगा।
- गुणवत्तापूर्ण पत्रकारिता ही अच्छे समाज का निर्माण करेगी।

समापन सत्र में विभिन्न मीडियाकर्मी व शिक्षाविद हुए शामिल

ब्र.कु. करुणा, ब्र.कु. आत्मप्रकाश, ब्र.कु. सुशांत, ब्र.कु. शांतनु, राजेश राजोरे, उषा शर्मा, प्रदीप भट्टाचार्य, डॉ.सुशील उपाध्याय, नरेन्द्र राठौर, रवि कुमार नवुदुरी, देवेन्द्र शर्मा, अशोक चतुर्वेदी, यू.राधाकृष्णन, वीरेन्द्र परिहार, डॉ.संतोष गुप्ता, ओमशान्ति मीडिया के सम्पादक ब्र.कु.गंगाधर, पीस ऑफ माइण्ड चैनल के समाचार संयोजक ब्र.कु.कोमल। समापन सत्र के बाद आयोजित सांस्कृतिक संध्या में काजल डांस ग्रुप आगरा, डिवाइन एंजिल ग्रुप बेलगाम, डॉयमण्ड डांस ग्रुप बिलासपुर, हैरी शैरी ग्रुप पटियाला, शिवशक्ति सांस्कृतिक अकादमी व नटराजन नृत्य शाला बैंगलोर के कलाकारों के अलावा ब्र.कु. इन्द्रप्रताप व ब्र.कु. संदीप,ज्ञानसरोवर तथा रेवाड़ी की पूजा ने अपनी प्रस्तुतियों द्वारा दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया।

एक ऐसा विद्यालय जहाँ मूल्यों की शिक्षा मिलती है : डॉ. यशपाल

शिक्षा प्रभाग द्वारा मूल्यों पर आधारित त्रिदिवसीय सम्मेलन का आयोजन

ज्ञानसरोवर। ब्रह्माकुमारीज़ शिक्षा प्रभाग द्वारा `मूल्य एवं आध्यात्मिकता द्वारा जीवन में उत्कृष्टता' विषय पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए सोमानी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एण्ड मैनेजमेंट,रेवाड़ी के डायरेक्टर **डॉ.यशपाल सिंह** ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्था एकमात्र ऐसा विश्व विद्यालय है जो विश्व को मूल्यों की शिक्षा प्रदान कर रहा है। युवा पीढ़ी को यह आध्यात्मिक शिक्षा मिल सके इसके लिए हमें प्रयास करने चाहिए। रोटी, कपड़ा और मकान से लेकर लोग धीरे-धीरे अपनी आकांक्षाओं को बढ़ाते जाते हैं। मगर इस दौड़ के अंत में उनको शांति की ज़रूरत होती है। शांति के लिए मूल्यों को अपनाना पड़ता है। मुझे इस स्थान - शेष पेज 11 पर

प्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री तथा निर्देशक दिव्या खोसला ने अपना अनुभव सुनाते हुए कहा कि भारत वह महान भूमि है जहाँ से आध्यात्मिकता का जन्म हुआ है। मेरा अपना अनुभव यह है कि जब तक मैंने भगवान को अपने जीवन की बागडोर सौंपकर उसकी याद को अपने साथ रखकर जीवन जिया तो उसमें सफलता भी प्राप्त हुई और जीवन की शांति भी कायम रही। लेकिन जब फिल्म जगत में हर कदम सफलता मिलती गई और मैं नयी-नयी फिल्मों में व्यस्त होती गई और पूरी तरह जब मैं भौतिक जगत में रम गई तो पाया कि इसमें ना तो सुख है और ना ही शांति है। मेरी एकाग्रता व शांति भौतिकवादी दुनिया ने छीन ली। रात को नींद भी आनी बंद हो गई। इस दौरान मैंने अपने जीवन में सब कुछ होते हुए भी खुद को अंदर से खाली महसूस किया। तब मैंने दिल्ली स्थित ब्रह्माकुमारी सेंटर पर जाकर कुछ दिन रहकर राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कर फिर खुद को आंतरिक शांति व खुशी से भरपूर किया। आध्यात्मिकता द्वारा ही हम स्वयं को ईश्वर के सानिध्य में सुरक्षित अनुभव कर सकते हैं।

कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए हरीश शुक्ल, डॉ. यशपाल, ब्र.कु.पुष्पा, दिव्या खोसला, ब्र.कु. मृत्युंजय व अतिथिगण।

कार्यालय- ओम शान्ति मीडिया, संपादक- ब्र.कु.गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न.- 5, आबू रोड (राज.)- 307510. सदस्यता के लिए सम्पर्क- M - 9414006096, 9414182088,
Email- mediabkm@gmail.com, omshantimedia@bkivv.org, Website- www.omshantimedia.info
सदस्यता शुल्क: भारत - वार्षिक 190 रुपये, तीन वर्ष 570 रुपये, आजीवन 4500 रुपये । विदेश - 2500 रुपये (वार्षिक) कृपया सदस्यता शुल्क 'ओमशान्ति मीडिया' के नाम मनीऑर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट शान्तिवन, आबू रोड) द्वारा भेजें।
RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/15-17, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2015-17, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 13th June 2016
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी.प्रिंट सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।